

## **PRESS RELEASE**

### **FIRST VISAKHAPATNAM CLASS DESTROYER DELIVERED TO THE INDIAN NAVY**



Mazagon Dock Shipbuilders Limited (MDL) has delivered First Ship of Project 15B Class Destroyer i.e. Yard 12704 (Visakhapatnam) to the Indian Navy on 28 Oct 2021. The Acceptance Document was signed by VAdm Narayan Prasad, AVSM, NM, IN (Retd) Chairman & Managing Director, MDL and RAdm K P Arvindan, VSM, CSO (Tech) at MDL in the presence of Commanding Officer (Designate), MDL Directors and Navy personnel.

The ship is constructed using Indigenous Steel DMR 249A and is amongst the largest Destroyers constructed in India, with an overall length of 164 meters and a displacement of over 7500 tons. The ship is a potent platform capable of undertaking a variety of tasks and missions, spanning the full spectrum of maritime warfare. It is armed with supersonic Surface-to-Surface 'Brahmos' missiles and 'Barak-8' Long Range Surface to Air Missiles. Towards undersea warfare capability, the Destroyer is fitted with indigenously developed anti-submarine weapons and sensors, prominently the Hull mounted Sonar Humsa NG, Heavy weight Torpedo Tube Launchers and Rocket Launchers.

Significantly more versatile than the previous Destroyer and Frigates in Naval inventory, the Visakhapatnam's all round capability against enemy submarines, surface warships, anti-ship missiles and fighter aircraft will enable it to operate without a bevy of supporting vessels, and also to function as the flagship of a Naval task force.

The ship can accommodate a crew of 312 persons, has an endurance of 4000 Nautical Mile and can carry out a typical 42 days mission with extended mission time in out of area operation. The ship is equipped with two helicopters onboard to further extend its reach. The ship is propelled by a powerful Combined Gas and Gas Propulsion Plant (COGAG), consisting of four reversible Gas Turbines, which enables her to achieve a speed of over 30 knots (approx 55 Kmph). The Ship Boasts of a very high level of automation with sophisticated digital networks such as Gigabyte Ethernet based Ship Data Network (GESDN), Combat Management System (CMS), Automatic Power Management System (APMS) and Integrated Platform Management System (IPMS).

The indigenous content in P15B Class destroyers is 72% which is a notch above their predecessors P15A (59%) and P15 (42%) Class Destroyers, reaffirming the Government focus in Make in India Programme.

The Second Ship of P15B Mormugao was launched on 17 Sep 16 and is being readied for Harbour Trials. The ship will thereafter commence its Sea Trials. The third ship (Imphal) was launched on 20 Apr 2019 and is at an advance stage of outfitting. The fourth ship is under block erection and will be launched within this Current Financial Year.

MDL has always been at the forefront of the nation's progressive indigenous warship and submarine building programme. With the construction of the Leander and Godavari class frigates, Khukri class Corvettes, Missile Boats, Delhi and Kolkata class Destroyers, Shivalik class Stealth Frigates, the SSK submarines and the three Scorpene submarine under its belt, the history of modern day MDL almost maps the history of indigenous warship and submarine building in India thereby deservedly earning the soubriquet 'Warship and Submarine Builders to the Nation'.

---

## प्रथम विशाखापत्तनम श्रेणी विध्वंसक नौसेना को सुपुर्द

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने परियोजना 15बी श्रेणी विध्वंसक यानि यार्ड 12704 (विशाखापत्तनम) को 28.10.2021 को भारतीय नौसेना को सुपुर्द किया। स्वीकृति दस्तावेज, एमडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, वाइस एडमिरल नारायण प्रसाद, एवीएसएम, एनएम, भानौ(नि) और रियर एडमिरल के पी अरविंदम, वीएसएम, सीएसओ (टेक) ने एमडीएल निदेशकों और नौसेना कार्मिकों की उपस्थिति में एमडीएल में हस्ताक्षर किया।

इस पोत का निर्माण स्वदेशी स्टील डीएमआर 249ए का उपयोग करके किया गया है और यह भारत में निर्मित सबसे लंबा विध्वंसक है। इसकी संपूर्ण लम्बाई 164 मीटर और विस्थापन क्षमता 7500 टन है। यह पोत महत्वपूर्ण प्लेटफार्म है जो विभिन्न लक्ष्यों और कार्यों को पूरा करने में सक्षम समुद्री युद्ध के पूरे स्पेक्ट्रम में फैला हुआ है। यह पोत सुपरसोनिक सरफेस टू सरफेस 'ब्रह्मोस' मिसाइल तथा 'बराक-8' लॉन्ग रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल से सुसज्जित है। इस अंडरसी वारफेयर कैपेबल डिस्ट्रायर में स्वदेशी रूप विकसित एंटी सबमैरीन वेपन और सेंसर लगाये गये हैं मुख्य रूप से, हल माउंटेड सोनार हमसा एनजी, हेवी वेट टारपीडो ट्यूब लांचर्स, राकेट लांचर्स आदि।

यह पहले के विध्वंसक और युद्धपोतों की अपेक्षा सार्थक रूप से अधिक बहुमुखी है। विशाखापत्तनम पूर्ण रूप से दुश्मन पनडुब्बियों, सरफेस वारशिप, एंटी सबमैरीन मिसाइल और फाईटर एयर क्राफ्ट इसे बिना किसी सहायक जलयान की झुड के परिचालन करने में सक्षम बनाया हो और यह स्वतंत्र रूप से नेवल टास्क फोर्स के फ्लैग शिप के रूप में भी कार्य करेगी।

इस जहाज पर 312 कार्मिकों के रहने की व्यवस्था है और इसकी क्षमता 4000 नौटिकल माइल की है और यह टिपीकल 42 दिनों के लक्ष्य को पूरा करने में समर्थ है जो विस्तारित लक्ष्य समय परिचालन क्षेत्र से बाहर पूरा कर सकती है। यह जहाज शक्तिशाली संयुक्त गैस और गैस (सीओजीएजी) प्रोपल्सन प्लांट द्वारा संचालित है इसमें चार रिवर्सिबल गैस टरबाईन शामिल हैं जो इसे 30 नाट (लगभग 55 के एमपीएच) की गति प्राप्त करने में सहयोग करते हैं।

इस जहाज में एक उच्च स्तरीय ऑटोमेशन के साथ परिष्कृत डिजिटल नेटवर्क शामिल है जैसे गीगा बीट इथरनेट आधारित शिप डाटा नेटवर्क (जीईएसडीएन) कम्बेट मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) ऑटोमैटिक पावर मैनेजमेंट सिस्टम, (एपीएमएस) और इंटीग्रेटेड प्लेटफार्म मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस)।

पी15बी श्रेणी विध्वंसक में स्वदेशी मात्रा अभी 72% है जो इसके पूर्ववर्ती पी15ए में 59% और पी15 श्रेणी विध्वंसक में 42% था। यह भारत सरकार के मेक इन इंडिया प्रोग्राम की अभिपुष्टि है।

पी15बी की दूसरी जहाज मोरमुगाओ का जलावतरण 17 सितंबर 2016 को किया गया और यह हारबर ट्रायल्स के बाद समुद्री परीक्षण आरंभ करेगा। तीसरी जहाज (इम्फाल) का जलावतरण 20 अप्रैल 2019 को किया गया और यह अभी बाह्य सज्जा के अग्रिम चरण में है। चौथी जहाज ब्लॉक इरेक्सन के अंतर्गत है और वर्तमान वित्त वर्ष में इसका जलावतरण किया जाएगा।

एमडीएल हमेशा देश के प्रगामी स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माण कार्यक्रम में सबसे आगे रहा है। लिंंडर और गोदावरी श्रेणी युद्धपोत, खुकरी श्रेणी कारवेट्स, मिसाइल बोट्स, दिल्ली और कोलकाता श्रेणी विध्वंसक, शिवालिक श्रेणी स्टील्थ युद्धपोत, एसएसके पनडुब्बी और तीन स्कोर्पिन पनडुब्बी इसके अंतर्गत हैं। एमडीएल का आधुनिक इतिहास भारत में स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माता का युग है इसके माध्यम से कंपनी ने राष्ट्र का 'युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माता' की उपाधि प्राप्त किया है।

